माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ,राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम सत्र 2025–2026

विषय कोड–08

कक्षा–10

विषय :–सामाजिक विज्ञान

SOCIAL SCIENCE

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है–				
प्रश्नपत्र	समय(घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एकपत्र	3:15	80	20	100

I - (इतिहास)

(History)

पुस्तक का नाम :– .भारत और समकालीन विश्व – भाग–2 **20**

एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित

Book Name- INDIA AND THE CONTEMPORARY WORLD – Part-2

NCERT's Book Published under Copyright.

1. घटनाएँ और प्रक्रियाएँ

Events and Processes

A. यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय **4**

The Rise of Nationalism in Europe

फ्रांसीसी क्रांति और राष्ट्र का विचार, यूरोप में राष्ट्रवाद का निर्माण – कुलीन वर्ग और नया मध्यवर्ग,उदारवादी राष्ट्रवाद,1815 के बाद एक नया रूढ़िवाद,क्रांतिकारी, क्रांतियों का युग 1830–1848– रूमानी कल्पना और राष्ट्रीय भावना,भूख, कठिनाइयाँ और जन विद्रोह, 1848 : उदारवादियों की क्रांति, जर्मनी और इटली का निर्माण, जर्मन सेना, इटली,ब्रिटेन की अजीब दास्तान, राष्ट्र की दृश्य–कल्पना, राष्ट्रवाद और साम्राज्यवाद।

The French Revolution and the Idea of the Nation, The Making of Nationalism in Europe – The Aristorcracy and the New Middile Class, Liberal Nationalism, A New Conservatism after 1815, The Revolutionaries, The Age of Revolutions: 1830-1848 – The Romantic Imagination and National Feeling, Hunger, Hardship and Popular Revolt, 1848 : The Revolution of the Liberals, The Making of Germany and Italy- German Army, Italy Unified, The strange Case of Britain, Visualising the Nation, Nationalism and Imperialism.

B. भारत में राष्ट्रवाद **4**

Nationalism in India

प्रथम विश्व युद्ध,खिलाफत और असहयोग – सत्याग्रह का विचार, रॉलट एक्ट, असहयोग आंदोलन, आंदोलन के भीतर अलग–अलग धाराएँ – शहरों में आंदोलन, ग्रामीण इलाकों में विद्रोह, बागानों में स्वराज, सविनय अवज्ञा की ओर – नमक यात्रा और सविनय अवज्ञा आंदोलन, आंदोलन में लोगों की सहभागिता, सविनय अवज्ञा की सीमाएँ, सामूहिक अपनेपन का भाव – भारत छोड़ो आंदोलन।

BSER

The First World War, Khilafat and Non – Cooperation – The Idea of Satyagraha, The Rowlatt Act, Non- cooperation movement, Differing Strands within the Movement – The Movement in the Towns, Rebellion in the Countryside, Swaraj in the Plantations, Towards Civil Disobedience – The Salt March and the Civil Disobedience Movement, Participation of People in the Movement, The Limits of Civil Disobedience, The Sense of Collective Belonging – Quit India Movement.

2. जीविका, अर्थव्यवस्था एवं समाज
Livelihoods, Economies and Societies

A.भूमण्डलीकृत विश्व का बनना 4
The Making of a Global World

आधुनिक युग से पहले – रेशम मार्ग (सिल्क रूट) से जुड़ती दुनिया, भोजन की यात्रा : स्पैघेत्ती और आलू, विजय, बीमारी और व्यापार, उन्नीसवीं शताब्दी (1815–1914) – विश्व अर्थव्यवस्था का उदय, तकनीक की भूमिका, उन्नीसवीं सदी के आखिर में उपनिवेशवाद, रिंडरपेस्ट या मवेशी प्लेग,भारत से अनुबंधित श्रमिकों का जाना, विदेश में भारतीय उद्यमी,भारतीय व्यापार, उपनिवेशवाद और वैश्विक व्यवस्था, महायुद्धों के बीच अर्थव्यवस्था – युद्धकालीन रूपांतरण, युद्धोत्तर सुधार, बड़े पैमाने पर उत्पादन और उपभोग,महामंदी,भारत और महामंदी, विश्व अर्थव्यवस्था का पुनर्निर्माण : युद्धोत्तर काल – युद्धोत्तर बंदोबस्त और ब्रेटन–वुड्स संस्थान, प्रारंभिक युद्धोत्तर वर्ष, अनौपनिवेशीकरण और स्वतंत्रता, ब्रेटन वुड्स का समापन और वैश्वीकरण की शुरूआत।

The Pre-modern world – Silk Routes Link the World, Food Travels: Spaghetti and Potato, Conquest, Disease and Trade, The Nineteenth Century (1815-1914) – A World Economy Takes Shape, Role of Technology, Late nineteenth-century Colonialism, Rinderpest,or the Cattle Plague,Indentured Labour Migration From India, Indian Entrepreneurs Abroad, Indian Trade, Colonialism and the Global System, The Inter-war Economy – Wartime Transformations, Post-war Recovery, Rise of Mass Production and Consumption, The Great Depression,India and the Great Depression, Rebuilding a World Economy: The Post-War Era – Post- war Settlement and the bretton Woods Institutions, The Early post-war Years, Decolonisation and Independence, End of Bretton Woods and the Beginning of Globalisation.

B.औद्योगीकरण का युग 4
The Age of Industrialisation

औद्योगिक क्रांति से पहले – कारखानों का उदय, औधोगिक परिवर्तन की रफ्तार, हाथ का श्रम और वाष्प शक्ति – मजदूरों की जिंदगी, उपनिवेशों में औद्योगीकरण – भारतीय कपड़े का युग, बुनकरों की स्थिति, भारत में मैनचेस्टर का आना, फैक्ट्रियों का आना – प्रारंभिक उद्यमी, विभिन्न स्थानों से मजदूरों का आगमन, औद्योगिक विकास का अनूठापन – लघु उद्योगों की बहुतायत, वस्तुओं के लिए बाजार।

Before the Industrial Revolution – The Coming Up of the Factory, The Pace of Industrial Change,Hand Labour and Steam Power – Life of the Workers, Industrialisation in the colonies - The Age of Indian Textiles, The condition of the weavers, Manchester Comes to India, Factories Come Up – The Early Entrepreneurs, Arrival of workesrs from different places, The Peculiarities of Industrial Growth – Small-scale Industries Predominate, Market for Goods.

3. रोजाना की जिंदगी,संस्कृति और राजनीति
Every day Life, Culture and Politics

A. मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया 4
Print Culture and the Modern World

शुरूआती छपी किताबें– जापान में मुद्रण, यूरोप में मुद्रण का आना – गुटेन्बर्ग और प्रिंटिंग प्रेस, मुद्रण क्रांति और उसका असर – नया पाठक वर्ग, धार्मिक विवाद और प्रिंट का डर, मुद्रण और प्रतिरोध, पढ़ने का जुनून – दुनिया के जालिमों, अब हिलोगे तुम,मुद्रण संस्कृति और फ्रांसीसी क्रांति, उन्नीसवीं सदी – बच्चे, महिलाएँ और मजदूर, नए तकनीकी परिष्कार, भारत का मुद्रण संसार – मुद्रण युग से पहले की पांडुलिपियाँ, छपाई भारत आई, धार्मिक सुधार और सार्वजनिक बहसें, प्रकाशन के नए रूप – महिलाएँ और मुद्रण, प्रिंट और गरीब जनता, प्रिंट और प्रतिबन्ध।

The First Printed Books – Print in Japan, Print Comes to Europe – Gutenberg and the Printing Press, The Print Revolution and its Impact – A New Reading Public, Religious Debates and the Fear of Print, Print and Dissent, The Reading Mania – Tremble, therefore, tyrants of the world, Print Culture and the French Revolution, The Nineteenth Century – Children, Women and Worklers, Further Innovations, India and the World of Print – Manuscipts Before the Age of Print, Print Comes to India, Religious Reform and Public Debates, New Forms of Publication – Women and Print, Print and the Poor People, Print and Censorship.

BSER

II - (भूगोल)
(Geography)

पुस्तक का नामः– समकालीन भारत–2 (भूगोल) 20
एन.सी. ई.आर. टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित

Book Name: Contemporary India-II (Geography)
NCERT's Book published under copyright.

1. संसाधन एवं विकास 3
संसाधनों का वर्गीकरण, संसाधनों का विकास, भारत में संसाधन नियोजन, भू–संसाधन, भू–उपयोग, भारत में भूमि उपयोग प्रारूप, भूमि निम्नीकरण और संरक्षण उपाय, मृदा संसाधन, मृदाओं का वर्गीकरण, मृदा अपरदन और संरक्षण।

RESOURCES AND DEVELOPMENT

Classification of Resources, Development of Resources, Resources Planning in India, Land Resources, Land Utilisation, Land use pattern in India, Land degradation and conservation measures, Soil as a resource, Classification of Soils, Soils Erosion and Soil Conservation.

2. वन एवं वन्य जीव संसाधन 2
भारत में वनस्पतिजात एवं प्राणिजात, भारत में वन और वन्य जीवन का सरंक्षण, वन और वन्य जीव संसाधनों के प्रकार और वितरण, समुदाय और वन संरक्षण।

FOREST AND WILDLIFE RESOUCES

Flora and Fauna in India, Conservation of forest and Wildlife in India, Types and Distribution of forest and wildlife Resources, Community and Conservation.

3. जल संसाधन 3

जल दुर्लभता और जल संरक्षण एवं प्रबंधन की आवश्यकता, बहु–उद्देशीय नदी परियोजनाएँ और समन्वित जल संसाधन प्रबंधन, वर्षा जल संग्रहण।

WATER RESOUCES

Water Scarcity and the need of water conservation and management, Multi-Purpos, River Project and Integrated water resources management, Rain water Harvesting.

4. कृषि 3

कृषि के प्रकार – प्रारंभिक जीविका निर्वाह कृषि,गहन जिविका कृषि, वाणिज्यिक कृषि, शस्य प्रारूप, मुख्य फसले– चावल, गेहूँ, मोटे अनाज– बाजरा,मक्का, दाले, खाधान्नों के अलावा अन्य खाद्य फसले, बागवानी फसले, अखाद्य फसले, रेशेदार फसले, प्रौद्योगिकीय और संस्थागत सुधार।

AGRICULTURE

Types of Farming – Primitive subsistence Farming, Intensive subsistence Farming, Commercial Farming, Cropping Pattern, Major Crops- Rice, Wheat, Millets- Bajra, Maize, Pulses, Food Crops other than Grains, Horticultur, Non- Food Crops, Fibre Crops, Technological and Institutional Reforms.

5. खनिज तथा ऊर्जा संसाधन 4

खनिज से अभिप्राय, खनिजों की उपलब्धता, लौह और अलौह खनिज, अधात्विक खनिज, चट्टानी खनिज, खनिजों का संरक्षण, ऊर्जा संसाधनः पंरपरागत और गैर पंरपरागत, ऊर्जा संसाधनों का संरक्षण।

MINERALS AND ENERGY RESOUCES

Meaning of Minerals, Mode of Occurrence of Minerals, Ferrous and non-ferrous Minerals, Non-Metallic minerals, Rock minerals, Conservation of Minerals Energy Resources-conventional And non-conventional sources, conservation of energy recourses

6. विनिर्माण उद्योग 2

विनिर्माण का महत्व, उद्योगों का वर्गीकरण, औद्योगिक प्रदूषण तथा पर्यावरण निम्नीकरण, पर्यावरणीय निम्नीकरण की रोकथाम।

MANIFACTURING INSDUTRIES

Importance of Manufacturing, Classification of Industries, Industrial Pollution and invironmental Degradation, Control of Environmental Degradation

7. राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ 3

परिवहन – स्थल परिवहन, रेल परिवहन, पाइपलाइन, जल परिवहन व प्रमुख समुद्री पत्तन, वायु परिवहन, संचार सेवाएँ, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन–एक व्यापार के रूप में।

LIFELINE OF NATIONAL ECONOMY

Transport: Roadways, Railways, Pipelines, Waterways and Major Sea Ports, Airways, Communication, International trade, Tourism-as a trade.

BSER

III - (राजनीति विज्ञान)
(Political Science)

पुस्तक का नाम– लोकतांत्रिक राजनीति–II 20

एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित

Book Name :- Democratic Politics-II

NCERT's Book Published under Copyright.

1. सत्ता की साझेदारी 4

बेल्जियम और श्रीलंका, श्रीलंका में बहुसंख्यवाद, बेल्जियम की समझदारी, सत्ता में साझेदारी की आवश्यकता, सत्ता की साझेदारी के रूप

POWER SHARING

Belgium and Sri lanka, Majoritarianism in Sri Lanka Accommodation in Belgium, Need of Power Sharing, Forms of power-sharing

2. संघवाद 4

संघवाद, भारत में संघीय व्यवस्था, संघीय व्यवस्था का संचालन, भाषायी राज्य, भाषा–नीति, केन्द्र–राज्य संबंध, भारत में विकेन्द्रीकरण

FEDERALISM

Federalism, Federal System in India, Working Procedure of the Federalism, Linguistic States, Language Policy, Centre-State Reactions, Decentralization In India.

3. जाति, धर्म और लैंगिक मसले 4

लैंगिक मसले और राजनीति– नारीवादी आंदोलन, महिलाओं का राजनीतिक प्रतिनिधित्व, धर्म, साप्रदायिकता और राजनीति, जाति और राजनीति, भारत की सामाजिक और धार्मिक विविधता, जातिगत असमानता।

GENDER, RELIGION AND CASTE

Gender and Politics- Feminist movements, Woman Political Representation, Religion, Communalism and Politics Caste and Politics, Social and Religious Diversity of India, Caste Inequality.

4. राजनीतिक दल 5

राजनीतिक दलों की महत्वता–राजनीतिक दलों के कार्य, राजनीतिक दलों के प्रकार, राजनीतिक दलों में जन भागीदारी, राष्ट्रीय राजनीतिक दल, क्षेत्रीय दल, राजनैतिक दलों के लिए चुनौतियाँ, राजनीतिक दलों में सुधार।

POLITICAL PARTIES

Importance of Political Parties,Function of Political Parties, Type of political parties, Popular Participation in Political Parties, National Parties, Dimensions of change in Parties.

BSER

5. लोकतंत्र के परिणाम **3**

लोकतंत्र के परिणामों का मूल्यांकन, उत्तरदायी जिम्मेवार और वैध शासन, आर्थिक संवृद्धि और विकास, लोकतंत्र की आर्थिक उपलब्धियाँ, असमानता और गरीबी में कमी, सामाजिक विविधताओं में सामंजस्य, नागरिकों की गरिमा और स्वतंत्रता

OUTCOMES OF DEMOCRACY

Evaluation of the results of democracy, Accountable, Responsive and Legitimate Government, Economic growth and development, Economic outcomes of democracy, reduction of inequality and poverty, Accommodation of social diversity, Dignity and freedom of the citizens.

IV - (अर्थशास्त्र)
(Economics)

पुस्तक का नाम– आर्थिक विकास की समझ **20**

एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित

Book Name :- Understanding Economic Development

NCERT's Book Published under Copyright

1. विकास **3**

विकास का वादा–विभिन्न व्यक्ति विभिन्न लक्ष्य, आय और अन्य लक्ष्य, राष्ट्रीय विकास, विभिन्न देशों या राज्यों की तुलना, आय और अन्य मापदण्ड, सार्वजनिक सुविधाएँ, मानव विकास रिपोर्ट, विकास की धारणीयता।

DEVELOPMENT

Development Promises-Different People, Different goals, Income and other Goals, National Development, Comparison of different countries and states, Income and other criteria, Public facilities, Human Development Report, sustainability of Development.

2. भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक **5**

आर्थिक कार्यो के क्षेत्रक,तीन क्षेत्रकों की तुलना, प्रत्येक क्षेत्र की विविध वस्तुओं और सेवाओं की गणना, क्षेत्रकों में ऐतिहासिक परिवर्तन, भारत में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रक, अतिरिक्त रोजगार का सृजन – मनरेगा 2005, संगठित और असंगठित के रूप में क्षेत्रकों का विभाजन, असंगठित क्षेत्र में श्रमिकों का संरक्षण, स्वामित्व आधारित क्षेत्रक–सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रक।

SECTORS OF THE INDIAN ECONOMY

Sectors of Economic activities, Comparing the three sectors- Counting the various goods and services, Historical Change in Sectors, Primary, Secondary and Tertiary in India, Create More Employment- MGNREGA 2005, Divisions of sectors as organised and unorganised, Sectors in term of ownership: Public and Private Sectors.

3. मुद्रा और साख **5**

मुद्रा विनिमय का एक माध्यम, मुद्रा के आधुनिक रूप– करेंसी, बैंकों में निक्षेप, बैंकों की ऋण संबंधी गतिविधियां, साख की दो विभिन्न स्थितियाँ, ऋण की शर्ते, भारत में औपचारिक क्षेत्रक में साख, औपचारिक और अनौपचारिक साख का तुलनात्मक अध्ययन, निर्धनों के स्वयं सहायता समूह।

BSER

MONEY AND CREDIT

Money as medium of exchange, Modern forms of money- Currency, Depostis with banks, Loan activities of Banks, Two different credit situations, Terms of Credit, Formal Sector credit in India, Comparative study of formal and informal Credit, Self help groups for the Poor.

4. वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था 5

अन्तर्देशीय उत्पादन, देशों के उत्पादन को आपस में जोड़ना, विदेश व्यापार और बाजारों का एकीकरण, वैश्वीकरण का अर्थ– वैश्वीकरण को संभव बनाने वाले कारक,विदेश व्यापार तथा विदेशी निवेश का उदारीकरण, विश्व व्यापार संगठन, भारत में वैश्वीकरण का प्रभाव, न्यायसंगत वैश्वीकरण के लिए संघर्ष।

GLOBLISATION AND THE INDIAN ECONOMY

Production across countries, Interlinking production across countries, Foreign trade and integration of markets, Meaning of Globalisation - Factors that have enabled Globalisation, Liberlisatian of foreigm trade and foreign investment policy, World Trade Organization, Impact of Globalisation in India, The Struggle for a fair Globalisation.

5. उपभोक्ता अधिकार 2

बाजार में उपभोक्ता, उपभोक्ता आंदोलन, उपभोक्ता अधिकार–सुरक्षा का अधिकार, सूचना का अधिकार, चुनने का अधिकार, क्षतिपूर्ति निवारण का अधिकार, जागरूक उपभोक्ता बनने के लिए आवश्यक बातें, उपभोक्ता आंदोलन को आगे बढ़ाने के प्रयास।

CONSUMER RIGHTS

The consumer in the market place, Consumer movement, Consumer Rights-Right to Safty, Right to Information,Right to Choose, Right to Seek redressal, Learning to become well informed consumers, Efforts to take the Consumer Movement Forward.

BSER